

प्रेषक,

आर. के. सुधांशु,
सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

निदेशक,
विपिन त्रिपाठी कुमार्ज प्रौद्योगिकी संस्थान,
द्वाराहाट (अल्मोड़ा)।

तकनीकी शिक्षा अनुभाग-1

देहरादून : दिनांक : 10 फरवरी, 2015

विषय: इंजीनियरिंग कॉलेज, द्वाराहाट की बार्ड वायर सहित बाउन्ड्रीवाल निर्माण हेतु धनराशि की वित्तीय स्वीकृति के संबंध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक वित्त विभाग के शासनादेश संख्या 318/XXVII-I/2014 दिनांक 18.3.2014, शासनादेश संख्या 314/XLI-1/2013-53/2011 दिनांक 31.3.2014, शासनादेश संख्या 265/XLI-1/2014-53/2011 दिनांक 26.3.2014 तथा आपके पत्र संख्या : बी.के.आई. टी./सिविल/2019/2015 दिनांक 02.3.2015 की ओर ध्यान आकृष्ट करते हुए मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि श्री राज्यपाल महोदय उक्त कार्य के आगणन के तकनीकी परीक्षणोपरान्त संस्तुत धनराशि ₹ 475लाख के सापेक्ष अब तक अवमुक्त की जा चुकी धनराशि ₹ 204.70लाख के उपरान्त अवशेष धनराशि में से वित्तीय वर्ष 2014-15 में अग्रेतर ₹ 100लाख (₹ एक करोड़ मात्र) की प्रशासकीय एवं वित्तीय स्वीकृति प्रदान करते हुए, निम्नलिखित शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अधीन व्यय किए जाने की सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं : -

1. उक्त धनराशि को आहरित कर कॉलेज के पी.एल.ए. में रखा जाएगा एवं पूर्व में अवमुक्त की गई धनराशि का पूर्ण व्यय होने के उपरान्त ही कार्यदायी संस्था को अवमुक्त किया जाएगा।
2. उक्त कार्य इसी संस्तुत धनराशि से समयबद्धता एवं वांछित गुणवत्तापूर्वक सम्पादित कराया जाएगा जिस हेतु आगणन/डी.पी.आर. का पुनरीक्षण अनुमन्य नहीं होगा।
3. उक्त धनराशि का वित्त विभाग के शासनादेश संख्या 318/XXVII(1)/2014 दिनांक 18.3.2014, विशेषकर प्रस्तर-6 में निहित दिशानिर्देशानुसार व्यय किया जाएगा।
4. धनराशि का व्यय करते समय मितव्ययिता के विषय में शासन द्वारा समय-समय पर जारी किये गये समस्त शासनादेशों का कड़ाई से अनुपालन किया जायेगा। मितव्ययिता के फलस्वरूप अवशेष धनराशि को वित्तीय वर्ष के अन्त में नियमानुसार शासन/वित्त विभाग को समर्पित किया जाना सुनिश्चित किया जायेगा।
5. स्वीकृत की जा रही धनराशि का दिनांक 31.3.2015 तक उपयोग करके कार्य की वित्तीय/भौतिक प्रगति का विवरण तथा उपयोगिता प्रमाणपत्र शासन को प्रस्तुत कर दिया जाएगा।
6. कार्य प्रारम्भ करने से पूर्व विस्तृत आगणन/मानचित्र गठित कर नियमानुसार सक्षम प्राधिकारी से प्राविधिक स्वीकृति प्राप्त करनी होगी।
7. कार्य पर उतना ही व्यय किया जाए, जितनी राशि स्वीकृत की गई है। स्वीकृत धनराशि से अधिक व्यय कदापि न किया जाए।
8. निर्माण सामग्री को उपयोग में लाने से पूर्व सामग्री का परीक्षण प्रयोगशाला से अवश्य करा लिया जाए तथा विशिष्टियों के अनुरूप सामग्री ही प्रयोग में लाई जाए।

क्रमशः...

9. आगणन गठित करते समय तथा कार्य प्रारम्भ करने से पूर्व निर्माण सामग्री क्रय करने हेतु मानकों तथा उत्तराखण्ड अधिप्राप्ति नियमावली, 2008 एवं इस संबंध में समय-समय पर निर्गत आदेशों का पालन कड़ाई से किया जाए।
10. शेष शर्तें/प्राविधान उपरोक्त संदर्भित शासनादेशों के अनुसार यथावत लागू होंगे।
11. उक्त अनुदान का देयक कॉलेज के प्राचार्य/लेखाधिकारी के द्वारा हस्ताक्षरित तथा जिलाधिकारी, पौड़ी गढ़वाल द्वारा प्रतिहस्ताक्षरित किया जाएगा।

2- इस संबंध में होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2014-15 में आय-व्यय के 'अनुदान संख्या 11' के 'आयोजनागत' पक्ष के लेखाशीर्षक "4202-शिक्षा, खेलकूद तथा संस्कृति पर पूंजीगत परिव्यय-00-02-तकनीकी शिक्षा-105-इंजीनियरिंग/तकनीकी कॉलेज तथा संस्थान-04-इंजीनियरिंग कॉलेज, द्वाराहाट" के मानक मद "35-पूंजीगत परिसम्पत्तियों के सृजन हेतु अनुदान" के नामे डाला जायेगा।

3- यह आदेश शासनादेश संख्या 183/XXVII-I/2012 दिनांक 28.3.2012 द्वारा विहित व्यवस्था के क्रम में www.cts.uk.gov.in से सॉफ्टवेयर के माध्यम से उपरोक्त स्वीकृति/बजट आवंटन हेतु निर्गत विशिष्ट नम्बर/अलॉटमेंट आई.डी. H1503110315 के अन्तर्गत तथा वित्त विभाग के उक्त संदर्भित शासनादेश दिनांक 18.3.2014 के द्वारा प्राप्त निर्देशों के क्रम में निर्गत किये जा रहे हैं।

भवदीय,

(आर. के. सुधांशु)
सचिव।

संख्या : 182 (1)/XLI(1)/2015 तददिनांक।

प्रतिलिपि : निम्नांकित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

1. महालेखाकार, लेखा एवं हकदारी, उत्तराखण्ड, माजरा, देहरादून।
2. महालेखाकार, ऑडिट, उत्तराखण्ड, इन्दिरा नगर, देहरादून।
3. जिलाधिकारी, अल्मोड़ा।
4. मुख्य कोषाधिकारी/वरिष्ठ कोषाधिकारी, अल्मोड़ा।
5. परियोजना प्रबंधक, पेयजल निगम, रानीखेत।
6. बजट, राजकोषीय नियोजन एवं संसाधन निदेशालय, उत्तराखण्ड सचिवालय, देहरादून।
7. वित्त (व्यय नियंत्रण) अनुभाग-3, उत्तराखण्ड शासन।
8. राज्य योजना आयोग, सचिवालय परिसर, देहरादून।
9. निदेशक, एन.आई.सी., सचिवालय परिसर, देहरादून।
10. गार्ड फाईल।

आज्ञा से,

(एस. एस. टोलिया)
उप सचिव।